एक छोटी-सी अनुग्रह (सिरहा पंचायत के लिए)

डॉ. कलाम के साथ मुन्ना कुमार

आज जहाँ सभी अपने चारों तरफ घटित हो रही घटनाओं को लेकर काफी चिंतित है वहीं हमारे समाज का दुर्भाग्य है कि हम सब इन समस्याओं से लड़ने के लिए तैयार नहीं हो पा रहे हैं . सिर्फ हमसब एक दुसरे में कमियां ढूंढते रहते है, अगर एक खड़ा भी होता है तो लोग साथ नहीं देते है , तरह तरह की बाते कर उसे दबाने का प्रयास किया जाता हैं.

सिरहा पंचायत(पकड़ीदयाल,अनुमंडल) इन्ही संकीर्ण मानसिकताओं का शिकार है जहाँ आगे बढ़ने वालों को बार-बार टांग खीचने का काम लोग करते हैं. लोग कहते है ,यहा भगवान भी आ जायेंगे तो भी सिरहा के लोगो को नहीं सुधार पाएंगे.यह स्थिति मात्र सिरहा गाँव की ही नहीं बल्कि लगभग सभी गांवों की यही स्थिति है.चंपारण सत्याग्रह शताब्दी समिति के साथ ख्वाब फाउंडेशन मिलकर गाँव में बहुत सारे कार्य कर रही है जिससे इसे एक विकसित, आदर्श, समृद्ध व् स्वालंबी बनासके.मै आपसे पूछना चाहता हु कि

- क्या हमारी अंतरात्मा मर चुकी है ,जो हम अपने लिए खड़े नहीं हो सकते?
- क्या हमलोग इतने कमजोर हो चुके है कि अच्छाई को अपना नहीं सकते?
- क्या हमलोगों के बीच से भलाई वाली भावना ख़त्म हो चुकी है?
- क्या दूसरे के बच्चों का आगे बढ़ने में हमारी भलाई छुपी नहीं है?
- क्या हमलोग गाँव में व्याप्त अशिक्षा के अंधकार को मिटाने हेतु आगे नहीं आ सकते है?
- क्या हम इन्सानियत की रक्षा हेतु खड़े नहीं हो सकते?
- क्या हम बढती मानसिक प्रदूषण के विरोध में खड़े नहीं हो सकते?
- क्या भारत माँ वीर विहीन हो गयी है?
- क्या कोई ऐसी माँ नहीं है जो भगत,सुभाष ,चंद्रशेखर आज़ाद जैसे देशभक्तों को जन्म दे?
- क्या गरीब ,असहाय, अनाथ के मदद हेतु आगे आने वालों की कमी हो गयी हैं?

अगर आपको लगता है कि मै सही रास्ते पर हूँ और सिरहा पंचायत को विकसित कर चंपारण के बाकी सारे गांवों को विकसित किया जा सकता है तो कृपया हमारे इस पहल में सकारात्मक रूप से जुड़े और अपने चंपारण को 2017 तक विकसित बनाने में अपनी सहभागिता निभाए.गांधीजी के चंपारण आगमन का 100 वर्ष पूरा होने की ख़ुशी में हम एक विकसित जिला नहीं तो कम-से-कम एक पंचायत तो भेंट तो कर ही सकते है.

आप हमारे इस पहल में किस तरह से मदद कर सकते है?

- आपके घर में फेकें हुए अथवा अनुपयोगी किताबेपत्रिकाएँ,समाचारपत्र दान कर सकते है.
- आप अपने घर में फटे-पुराने कपडें हो, हमें दे सकते है.
- आप अपने बच्चें को हमारे संस्थान में भेजकर मदद कर सकते है.
- आपके आस-पास में कोई अनाथ,असहाय व् निर्धन बच्चा हो,जानकारी दे सकते है.
- स्कूल/संस्थान अथवा अपने परिवार में मोतिवेसनल कार्यशाला आयोजित कर मदद कर सकते है.
- अपना कीमती समय का साथ देकर मदद कर सकते है.
- गाँव के गरीब व् दलित के बच्चो को पठन-पाठन की सामग्री देकर मदद कर सकते है.
- हमें आपके पैसों की नहीं ,हौसलाअफजाई ,सलाह व् दिशानिर्देश की जरुरत है